UP Board 2026 Class 10 Hindi Question Paper

Time Allowed :3 Hours	Maximum Marks :70	Total Questions :28

General Instructions

Read the following instructions very carefully and strictly follow them:

1. प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्न-पत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं।
2. प्रश्नपत्र दो खंडो (अ) तथा खण्ड (ब) में विभाजित हैं।
3. प्रश्नपत्र के खण्ड (अ) में बहुविकल्पीय प्रश्न हैं जिसमें सही विकल्प का चयन करके O.M.R. शीट पर नीले अथवा काले बाल प्वाइंट पेन से सही विकल्प वाले गोले को पूर्ण रूप से काला करें।
4. खण्ड (अ) में बहुविकल्पीय प्रश्न हेतु प्रत्येक प्रश्न के लिए (01) अंक निर्धारित हैं।
5. प्रश्नपत्र के खण्ड (अ) के प्रश्नों हेतु 1 घंटा तथा खण्ड (ब) के प्रश्नों को हल करने हेतु 2 घण्टे का समय निर्धारित हैं।
6. प्रत्येक प्रश्न के सम्मुख उनके निर्धारित अंक दिये गये हैं।

1. हिन्दी साहित्य के श्रेष्ठ निबंधकार आलोचक एवं इतिहासकार के रूप में जाने जाते है

(A) बालकृष्ण भट्ट
(B) पदुमलाल पुन्नालाल 'बख्शी'
(C) रामचन्द्र शुक्ल
(D) इनमे से कोई नहीं

---

2. महादेवी वर्मा द्वारा रचित रेखाचित्र है

(A) जिन्दगी मुस्कुराई
(B) अतीत के चलचित्र
(C) गाँव की साँझ
(D) बाजे पायलिया के घुँघरू

---

3. 'कोणार्क' के रचनाकार हैं

(A) जगदीश माथुर
(B) रामकुमार वर्मा
(C) जयशंकर प्रसाद
(D) विजय प्रभाकर

4. 'चलो चाँद पर चलें' के रचनाकार हैं

(A) धर्मवीर भारती
(B) जयप्रकाश 'भारती'
(C) 'अज्ञेय'
(D) मोहन राकेश

---

5. 'तूफानों के बीच' रचना की विधा है

(A) कहानी
(B) उपन्यास
(C) एकांकी
(D) रिपोर्ताज

---

6. 'केशवदास' किस काल के कवि हैं ?

(A) आदिकाल
(B) रीतिकाल
(C) भक्तिकाल
(D) आधुनिक काल

---

7. 'भारत-भारती' के रचनाकार हैं

(A) मैथिलीशरण गुप्त
(B) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र
(C) माखनलाल चतुर्वेदी
(D) सूरदास

---

8. 'भारतेन्दु युग' की समयावधि है

(A) सन् 1900 से 1928 ई० तक
(B) सन् 1868 से 1900 ई० तक
(C) सन् 1919 से 1992 ई० तक
(D) सन् 1800 से 1826 ई० तक

---

9. 'सुमित्रानन्दन पन्त' की रचना नहीं है

(A) ग्राम्या
(B) स्वर्णधूलि
(C) कामायनी
(D) युगान्त

---

10. 'रीतिमुक्त' काव्यधारा के कवि हैं

(A) बिहारीलाल
(B) पद्माकर
(C) केशवदास
(D) घनानन्द

---

11. हा ! रघुनन्दन प्रेम परांते। तुम बिन जियत बहुत दिन बीते।। उपर्युक्त पंक्तियों में प्रयुक्त रस है

(A) वीर रस
(B) हास्य रस
(C) करुण रस
(D) रौद्र रस

---

12. "ज्यों आँखिनु सब देखियै, आँख न देखी जाँहि।" उपर्युक्त पंक्ति में कौन-सा अलंकार है ?

(A) उपमा अलंकार
(B) रूपक अलंकार
(C) श्लेष अलंकार
(D) उत्प्रेक्षा अलंकार

---

13. 'सोरठा' छन्द के पहले एवं तीसरे चरण में मात्राएँ होती हैं

(A) 13-11 मात्राएँ
(B) 11-13 मात्राएँ
(C) 11-11 मात्राएँ
(D) इनमें से कोई नहीं

---

14. 'सुगम' शब्द में प्रयुक्त उपसर्ग है

(A) सु
(B) स

(C) सुग
(D) गम

---

15. 'नवरत्न' में समास है

(A) कर्मधारय समास
(B) द्विगु समास
(C) तत्पुरुष समास
(D) अव्ययीभाव समास

---

16. 'पृथ्वी' का पर्यायवाची शब्द नहीं है

(A) भू
(B) धरा
(C) वसुधा
(D) प्रसून

---

17. 'त्वाम्' शब्द में विभक्ति एवं वचन है

(A) द्वितीया विभक्ति, एकवचन
(B) चतुर्थी विभक्ति, एकवचन
(C) षष्ठी विभक्ति, बहुवचन
(D) तृतीया विभक्ति, एकवचन

---

18. अर्थ के आधार पर वाक्य के भेद हैं

(A) चार
(B) आठ
(C) दो
(D) पाँच

---

19. 'कर्तृवाच्य' में प्रधानता होती है

(A) क्रिया की
(B) विशेषण की
(C) कर्ता की
(D) कर्म की

---

20. जिनके अलग-अलग रूप वाक्यों में मिलते हैं, वे पद कहलाते हैं

(A) विकारी पद
(B) अविकारी पद
(C) प्रत्यय पद
(D) अन्वय पद

गद्यांश (क):
जो वृद्ध हो गये हैं, जो अपनी बाल्यावस्था और तरुणावस्था से दूर हट आए हैं, उन्हें अपने अतीतकाल की स्मृति बड़ी सुखद लगती है। वे अतीत का ही स्वप्न देखते हैं। तरुणों के लिए जैसे भविष्य उज्ज्वल होता है, वैसे ही वृद्धों के लिए अतीत। वर्तमान से दोनों को असंतोष होता है। तरुण भविष्य को वर्तमान में लाना चाहते हैं और वृद्ध अतीत को खींचकर वर्तमान में देखना चाहते हैं। तरुण क्रान्ति के समर्थक होते हैं और वृद्ध अतीत गौरव के संरक्षक। इन्हीं दोनों के कारण वर्तमान सदैव क्षुब्ध रहता है और इसी से वर्तमान काल सदैव सुधारों का काल बना रहता है।

21(क)(i). उपर्युक्त अवतरण के पाठ और लेखक का नाम लिखिए।

(A) पाठ: क्या लिखूँ ?, लेखक: पदुमलाल पुन्नालाल 'बख्शी'
(B) पाठ: मित्रता, लेखक: आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
(C) पाठ: भारतीय संस्कृति, लेखक: डॉ. राजेन्द्र प्रसाद
(D) पाठ: अजन्ता, लेखक: भगवतशरण उपाध्याय

21(क)(ii). रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए। (रेखांकित अंश : तरुणों के लिए जैसे भविष्य उज्ज्वल होता है, वैसे ही वृद्धों के लिए अतीत। तरुण क्रान्ति के समर्थक होते हैं और वृद्ध अतीत गौरव के संर-क्षक।)

21(क)(iii). लेखक ने वर्तमान काल को सुधारों का काल क्यों कहा है ?

गद्यांश (ख):
ईर्ष्या का सम्बन्ध प्रतिद्वन्द्विता से होता है, क्योंकि भिखमंगा करोड़पति से ईर्ष्या नहीं करता। यह एक ऐसी बात है, जो ईर्ष्या के पक्ष में भी पड़ सकती है, क्योंकि प्रतिद्वन्द्विता से भी मनुष्य का विकास होता है। किन्तु, अगर आप संसार व्यापी सुयश चाहते हैं तो आप रसेल के मतानुसार, शायद नेपोलियन से स्पर्द्धा करेंगे। मगर, याद रखिए कि नेपोलियन भी सीजर से स्पर्द्धा करता था और सीजर सिकन्दर से तथा सिकन्दर हरकूलस से, जिस हरकूलस के बारे में इतिहासकारों का यह मत है कि वह कभी पैदा ही नहीं हुआ।

21(ख)(i). उपर्युक्त अवतरण के पाठ और लेखक का नाम लिखिए।

(A) पाठ: मित्रता, लेखक: आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
(B) पाठ: ईर्ष्या, तू न गयी मेरे मन से, लेखक: रामधारी सिंह 'दिनकर'
(C) पाठ: ममता, लेखक: जयशंकर प्रसाद
(D) पाठ: क्या लिखूँ ?, लेखक: पदुमलाल पुन्नालाल 'बख्शी'

21(ख)(ii). रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए। (रेखांकित अंश : ईर्ष्या का सम्बन्ध प्रतिद्वन्द्विता से होता है... प्रतिद्वन्द्विता से भी मनुष्य का विकास होता है।)

21(ख)(iii). लेखक के अनुसार प्रतिद्वन्द्विता का सकारात्मक पक्ष क्या है ?

पद्यांश (क):
मैय्या हौं न चरैहौं गाइ।
सिगरे ग्वाल घिरावत मोसों, मेरे पाइ पिराइ।
जौ न पत्याहि पूँछि बलदाउहिं, अपनी सौंह दिवाइ।
यह सुनि माइ जसोदा ग्वालिनि, गारी देति रिसाइ।
मैं पठवति अपने लरिका कौं, आवै मन बहराइ।
सूर स्याम मेरौ अति बालक, मारत ताहि रिंगाइ।

22(क)(i). उपर्युक्त पद्यांश का सन्दर्भ लिखिए।

22(क)(ii). रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए। (रेखांकित अंश : सिगरे ग्वाल घिरावत मोसों, मेरे पाइ पिराइ। सूर स्याम मेरौ अति बालक, मारत ताहि रिंगाइ।)

22(क)(iii). बाल कृष्ण गाय चराने क्यों नहीं जाना चाहते हैं ?

पद्यांश (ख):
चाह नहीं, मैं सुरबाला के गहनों में गूँथा जाऊँ,
चाह नहीं प्रेमी-माला में बिंध प्यारी को ललचाऊँ,
चाह नहीं सम्राटों के शव पर हे हरि डाला जाऊँ,

चाह नहीं देवों के सिर पर चढ़ूँ भाग्य पर इठलाऊँ,
मुझे तोड़ लेना बनमाली,
उस पथ में देना तुम फेंक।
मातृभूमि पर शीश चढ़ाने,
जिस पथ जावें वीर अनेक।

22(ख)(i). उपर्युक्त पद्यांश का सन्दर्भ लिखिए।

22(ख)(ii). रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए। (रेखांकित अंश : मुझे तोड़ लेना बनमाली, उस पथ में देना तुम फेंक। मातृभूमि पर शीश चढ़ाने, जिस पथ जावें वीर अनेक।)

22(ख)(iii). उपर्युक्त अवतरण में पुष्प किसका प्रतीक है ? पुष्प को किन चीजों की चाह नहीं है, और क्यों ?

23(क). 'विश्वस्य स्रष्टा ईश्वर : एक एव' इति भारतीयसंस्कृते : मूलम्। विभिन्नमतावलम्बिन : विविधै : नामभि : एकम् एव ईश्वरं भजन्ते।अग्नि :, इन्द्र :, कृष्ण :, करीम :, राम :, रहीम :, जिन :, बुद्धः, ख्रिस्त :, अल्लाह : इत्यादीनि नामानि एकस्य एव परमात्मन : सन्ति।तम् एव ईश्वरं जना : गुरुः इत्यपि मन्यते। अत : सर्वेषां मतानां समभाव : सम्मानश्च अस्माकं संस्कृते : सन्देश :। (सन्दर्भ सहित हिन्दी में अनुवाद कीजिए)

23(ख). ताडित : चन्द्रशेखर : पुन : पुन : 'भारतं जयतु' इति वदति। (एवं स पञ्चदशकशाघातै : ताडित :) यदा चन्द्रशेखर : कारागारात् मुक्त : बहि : आगच्छति, तदैव सर्वे जना : तं परित : वेष्टयन्ति, बहव : बालका : तस्य पादयो : पतन्ति, तं मालाभि : अभिनन्दयन्ति च। (सन्दर्भ सहित हिन्दी में अनुवाद कीजिए)

24(क). नितरां नीचोऽस्मीति त्वं खेदं कूप ! कदापि मा कृथा :।
अत्यन्तसरसहृदयो यत : परेषां गुणग्रहीताऽसि।। (सन्दर्भ सहित हिन्दी में अनुवाद कीजिए)

24(ख). सार्थः प्रवसतो मित्रं भार्या मित्रं गृहे सतः। (सन्दर्भ सहित हिन्दी में अनुवाद कीजिए)

25(क)(i). 'मुक्तिदूत' खण्डकाव्य के 'पंचम सर्ग' की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए।

25(क)(ii). 'मुक्तिदूत' खण्डकाव्य के आधार पर 'महात्मा गाँधी' के चरित्र की मुख्य विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

26(क)(i). निम्नलिखित लेखकों में से किसी एक लेखक का जीवन परिचय देते हुए उनकी एक प्रमुख रचना का उल्लेख कीजिए : रामधारी सिंह 'दिनकर'

26(ख)(ii). निम्नलिखित कवियों में से किसी एक कवि का जीवन परिचय देते हुए उनकी एक प्रमुख रचना का उल्लेख कीजिए : मैथिलीशरण गुप्त

27. अपनी पाठ्य-पुस्तक में से कण्ठस्थ कोई एक श्लोक लिखिए, जो इस प्रश्न पत्र में न आया हो।

28. अपने निवास स्थान के आसपास / मोहल्ले की नालियों की समुचित सफाई के लिए नगर/जनपद के स्वास्थ्य अधिकारी को पत्र लिखिए।